झूठी काया में डोले झूठी माया में डोले भजन लिरिक्स

झूठी काया में डोले,
झूठी माया में डोले,
काहे माने ना जिया,
काहे माने ना जिया।bd।

ये तो पांच तत्व की काया,
इसको क्यो तूने अपनाया,
बार अनेको धोखा खाया,
कैसे कुमति किया,
काहे माने ना जिया,
काहे माने ना जिया।bd।

अपना रूप समझ नही पाता,
उससे भारी कष्ट उठाता,
बारम्बार नरक में जाता,
नाम हरि का ना लिया,
काहे माने ना जिया,
काहे माने ना जिया।bd।

गुरु की शरण वेग हो जाओ,
उनके चरनन शीश नवाओ,
आवागमन की डोर कटावों,
कैसी सिख दिया,
काहे माने ना जिया,
काहे माने ना जिया।bd।

कर दई सतगुरु ने दाया,
अपना रूप समझ में आया,
ईश्वर जीव का भेद मिटाया,
प्याला ज्ञान का पिया,
काहे माने ना जिया,
काहे माने ना जिया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

झूठी काया में डोले,
झूठी माया में डोले,
काहे माने ना जिया,
काहे माने ना जिया।bd।

गायक / प्रेषक – आचार्य उपेंद्र कृष्ण जी महाराज।
9416759618

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com